ROLE OF NAPOLEON AS FIRST CONSUL (Part-3)

(प्रथम कॉन्सल के रूप में नेपोलियन की भूमिका)

For U.G. Sem-4,MJC,Unit-1

5. **धार्मिक सुधार:** फ्रांस की बहुसंख्यक जनता कैथोलिक चर्च के प्रभाव में थी ।नेशनल असेंबली ने **1791** में चर्च की संपत्ति का राष्ट्रीयकरण कर दिया साथ ही पादरियों को अपने अधीन रखने के लिए एक कानून**(Civil Constitution of the clergy)**पास किया। इससे पोप नाराज हुआ और उसने आम जनता को विरोध करने के लिए उकसाया। फलतः सरकार और आम जनता के बीच तनाव पैदा हो गया। नेपोलियन ने इसे दूर करने के लिए **15 जुलाई 1801 ई.** में पोप के साथ समझौता किया जिसे ***कॉँनकारडेट (Concordate)*** कहा जाता है। इसके अनुसार निम्न निर्णय लिए गए-

1. पोप ने यह स्वीकार कर लिया कि फ्रांसीसी राज्य क्रांति के समय जिस संपत्ति का अपहरण कर लिया गया है वह वापस नहीं की जाएगी,
2. शिक्षा संस्थाओं पर राज्य का नियंत्रण हुआ। राज्य की आज्ञा के बिना चर्च का कोई पदाधिकारी शिक्षा संस्था नहीं खोल सकता था,

Scanned with CamScanner

3. राज्य की आज्ञा के बिना कोई पादरी देश से बाहर नहीं जा सकता था और ना आ सकता था,
4. विशप परस्पर तथा पोप से पत्र व्यवहार नहीं कर सकते थे,
5. देश के समस्त चर्चों पर राज्य का अधिकार हो गया तथा समस्त धार्मिक विषयों पर नियंत्रण रखने के लिए एक मंत्री की नियुक्ति नेपोलियन द्वारा होनी थी,
6. चर्च किसी प्रकार की स्थाई संपत्ति नहीं खरीद सकता था,
7. समस्त बिशपों की नियुक्ति पोप द्वारा होगी परंतु वे प्रस्तावित राज्य द्वारा ही होंगे ।छोटे पादरियों की नियुक्ति इन बिशपों के द्वारा होगी।
8. चर्च के समस्त पादरियों को चर्च की ओर से वेतन मिलेगा,
9. पादरियों को राज्य के प्रति भक्ति के शपथ लेनी आवश्यक हो गई ,
10. क्रांति के समय गिरफ्तार पादरी छोड़ दिए गए और देश से भागे पादरियों को वापस आने की इजाजत दे दी गई।

Scanned with CamScanner

11. नेपोलियन ने कैथोलिक धर्म को राज्य धर्म स्वीकार कर लिया और कैथोलिक चर्च को सार्वजनिक पूजा का अधिकार दे दिया गया।

इस प्रकार चर्च राज्य का अंग बन गया। नेपोलियन को अपने विरोधी चर्च का सहयोग मिल गया। जनता भी उससे प्रसन्न हो गई जिन किसानों को चर्च की भूमि मिली थी वह नेपोलियन के भक्त बन गए। नेपोलियन ने चर्च से राजनीतिक लाभ उठाया।

6. **नेपोलियन का सिविल कोड :** नेपोलियन का सर्वाधिक महत्वपूर्ण और स्थाई कार्य विधि संहिता का निर्माण करना था। वस्तुतः क्रांति के पहले फ्रांस की कानून व्यवस्था छिन्न-भिन्न थी और इतने प्रकार के कानून थे कि कानून का पालन कराने वालों को भी उसका ज्ञान नहीं था। नेपोलियन ने **कैंबासेरेस(Cambaceres)** के नेतृत्व में 1804 में एक कमेटी नियुक्त की जो जिसने 4 महीने के कठोर परिश्रम के पश्चात एक सिविल कोड तैयार किया ।इस कोड को नेपोलियन ने उन सभी देशों में लागू किया जिसको कि उसने जीता था। स्वयं नेपोलियन अपने इस विधि संहिता को अपने 40 युद्धों से अधिक शक्तिशाली मानता था।

Scanned with CamScanner

नेपोलियन ने इस कोड के अंतर्गत परिवार को एक पवित्र इकाई माना है। परिवार में पिता को सर्वोपरि स्थान दिया गया। वह आवश्यकतानुसार परिवार के सदस्यों को कठोर से कठोर दंड दे सकता था। पुत्रों की आय पर भी उसका अधिकार होता था। पैतृक संपत्ति सब पुत्रों में समान रूप से विभाजित होती थी।

नेपोलियन स्त्रियों को पुरुषों की अपेक्षा कम महत्व दिया एवं उसको पूर्णतया अपने पति के अधीन कर दिया। उसने स्त्री शिक्षा का घोर विरोध किया। सिविल विवाह और तलाक की प्रथा को मान्यता देकर नेपोलियन ने यूरोप में इस बात का प्रचलन किया कि बिना पादरियों के सहयोग के बीच समाज का काम चल सकता है ।

सिविल कोड के अनुसार संपत्ति पवित्र मानी गई। एकमात्र सरकार ही मुआवजा देकर ही व्यक्तिगत संपत्ति का अपहरण कर सकता था। नेपोलियन ने ब्याज की दर निश्चित कर दी ।धर्म संस्थाएं तथा व्यापारिक संस्था संपत्ति का संग्रह नहीं कर सकती थी।

Scanned with CamScanner

ट्रेड यूनियन बनाना अपराध घोषित किया गया ।मुकदमे की स्थिति में मजदूरों की दलीलों के बदले मालिकों की बातों को न्यायालय को मानने को कहा गया।

7. **<u>प्रतिष्ठा मंडल की स्थापना:</u>** फ्रांसीसियों में अपनी आदर भावना को जागृत करने के लिए नेपोलियन ने ***प्रतिष्ठा मंडल*** की स्थापना की। इसने जन्म के आधार पर नहीं अपनी योग्यता के आधार पर कुलिनों को सम्मिलित किया जाता था। इसी प्रकार भूखंडों के पुरस्कार द्वारा उसने एक नवीन कुलीनता का विकास किया।

8. **<u>जनता की स्वतंत्रता का अपहरण:</u>** नेपोलियन क्रांति के सिद्धांतों की अवहेलना करके जनता की स्वतंत्रता का अपहरण करने की नीति अपनाई ।उसने प्रेस तथा भाषण की स्वतंत्रता को सीमित कर दिया। 17 जून 1800ई. को एक नए नियम द्वारा पत्रिकाओं पर कठोर सेंसर लगा दिया। इसी प्रकार नाटकों के ऊपर भी उसने सेंसर लगा दिया।

इस प्रकार नेपोलियन ने शासन का पूरी तरह से केंद्रीकरण कर दिया जो वास्तव में क्रांति के सिद्धांतों की हत्या थी परंतु उसने यह कार्य समय की आवश्यकता को

Scanned with CamScanner

देखते हुए किया। उस समय जनता सुदृढ़ शासन चाहती थी। नेपोलियन भी यह समझता था कि जनता स्वतंत्रता नहीं बल्कि समानता चाहती है ।इस प्रकार कठोर परिश्रम द्वारा प्रथम काउंसिल के रूप में नेपोलियन ने देश की सेवा की। **1802 ई.** में सीनेट ने उसे जीवन पर्यंत काउंसलर बनाया तथा **1804 ई.** में नेपोलियन ने गणतंत्र का लबादा उतार फेंका और तथाकथित जनमत संग्रह द्वारा वह **फ्रांस का सम्राट** बन बैठा। एक बार फिर फ्रांस में वंशानुगत राजतंत्र की स्थापना हुई। पेरिस के चर्च में भव्य समारोह द्वारा उसका राज्याभिषेक हुआ। शासक बनने के पश्चात नेपोलियन ने लुई 14 वें के मॉडल पर राजत्व के दैवीय सिद्धांत को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया और इस प्रकार क्रांति के आदर्शों को उलट दिया।

To be continued.....

BY: ARUN KUMAR RAI
Asst. Professor
P.G. Dept.of History
Maharaja College,Ara.

Scanned with CamScanner